25 अप्रैल, 2024 को आईसीएआर-निनफेट में विश्व बौद्धिक संपदा दिवस का उत्सव और विषय है "आईपी और एसडीजी: नवाचार और रचनात्मकता के साथ हमारे सामान्य भविष्य का निर्माण"

25 अप्रैल, 2024, कोलकाता:

आईसीएआर-निनफेट ने 25 अप्रैल, 2024 को विश्व बौद्धिक संपदा दिवस के उपलक्ष्य में एक संवेदीकरण कार्यक्रम आयोजित किया है और इसका विषय "आईपी और एसडीजी: नवाचार और रचनात्मकता के साथ हमारे सामान्य भविष्य का निर्माण" है।

विश्व बौद्धिक संपदा दिवस प्रतिवर्ष 26 अप्रैल को मनाया जाता है। इस कार्यक्रम की स्थापना 2000 में विश्व बौद्धिक संपदा संगठन (डब्ल्यूआईपीओ) द्वारा की गई थी ताकि पेटेंट, कॉपीराइट, ट्रेडमार्क और डिज़ाइन दैनिक जीवन पर कैसे प्रभाव डालते हैं और रचनात्मकता का जश्न मनाया जा सके और अर्थव्यवस्थाओं के विकास में रचनाकारों और नवप्रवर्तकों द्वारा किए गए योगदान के बारे में जागरूकता बढ़ाई जा सके। दुनिया भर के समाज।

कार्यक्रम में सभी वैज्ञानिकों, तकनीकी अधिकारियों, एओ, प्रशासनिक प्रमुखों, आरए, एसआरएफ, जेआरएफ, वाईपी सहित 50 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

आईसीएआर गीत की जीवंत धुनों से सराबोर उद्घाटन समारोह ने नवाचार और रचनात्मकता पर एक आकर्षक और व्यावहारिक प्रवचन के लिए माहौल तैयार किया।

डॉ. एस.बी. रॉय, प्रभारी, आईटीएमयू और पीआई-एबीआई ने 17 सतत विकास लक्ष्यों की दृष्टि से आईपी दिवस समारोह के महत्व को समझाते हुए कार्यक्रम की शुरुआत की।

डॉ. डी.बी. शाक्यवार, निदेशक, आईसीएआर-निनफेट ने वैश्विक मुद्दों के दृष्टिकोण से भारतीय संदर्भ में आईपी संरक्षण के वर्तमान परिदृश्य को संबोधित करने वाले प्रतिष्ठित प्रतिभागियों का स्वागत किया।

एडवोकेट अंजन सेन, आईसीएआर पैनल में शामिल पेटेंट अटॉर्नी, इस दिन के पहले आमंत्रित वक्ता थे। उन्होंने आविष्कारों के आधिकारिक खुलासे के बारे में वैज्ञानिकों के साथ बेहतर तालमेल और तकनीकी-कानूनी मेलजोल पर जोर दिया। उन्होंने यह भी कहा कि आईपी निकट भविष्य में किसी भी समाज के भविष्य के विकास का प्रतीक होगा जो लोगों की संतुष्टि और जरूरतों का अनुपालन करेगा।

पेटेंट और डिज़ाइन के पूर्व उप नियंत्रक डॉ. सुशील कुमार मित्रा ने प्रो-बायोटिक, नैनो-पॉलीमर, बायो-डिटेक्शन किट के उभरते महत्व पर व्याख्यान दिया, जो लोगों, अर्थशास्त्र, पर्यावरण और स्थिरता को संतुलित करते हुए समाज के लिए सीधे उपयोगी होंगे। अंतर अनुशासनिक एसडीजी.

सम्मानित अतिथियों द्वारा दिए गए दो सूचनात्मक व्याख्यानों ने सामाजिक-आर्थिक प्रगति और पर्यावरणीय स्थिरता को आगे बढ़ाने के लिए आईपी तंत्र का लाभ उठाने पर एक सूक्ष्म परिप्रेक्ष्य प्रदान किया। सत्रों की विशेषता सक्रिय भागीदारी और आकर्षक चर्चाएँ थीं, जो व्यापक भलाई के लिए आईपी का उपयोग करने की सामूहिक प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करती थीं।

व्याख्यान के बाद एक इंटरैक्टिव सत्र आयोजित किया गया, जिसमें उपस्थित लोगों को विचारों का आदान-प्रदान करने, अनुभव साझा करने और आईपी-संबंधित मुद्दों पर स्पष्टीकरण मांगने का अवसर मिला। सत्र ने अभिनव समाधानों के माध्यम से एसडीजी को साकार करने के लिए प्रतिबद्ध हितधारकों के बीच अंतर्दृष्टि के गतिशील आदान-प्रदान, सहयोग और तालमेल को बढ़ावा दिया। कार्यक्रम का समापन आईटीएमयू के प्रभारी डॉ. एस.बी. रॉय द्वारा दी गई अंतिम टिप्पणियों के साथ हुआ, जिन्होंने प्रमुख निष्कर्षों को संक्षेप में प्रस्तुत किया और अधिक समावेशी और टिकाऊ भविष्य को आकार देने में आईपी की परिवर्तनकारी क्षमता पर जोर दिया। कार्यक्रम को सफल बनाने में उनके अमूल्य योगदान के लिए सभी प्रतिभागियों, अतिथियों और आयोजकों को हार्दिक धन्यवाद दिया गया।

(सूत्र: आईसीएआर-राष्ट्रीय प्राकृतिक फाइबर इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी संस्थान, कोलकाता)

Celebration of World Intellectual Property Day and the theme is **"IP and the SDGs: Building our common future with innovation and creativity"** at ICAR-NINFET on 25th April,2024

April 25, 2024, Kolkata:

ICAR-NINFET has organized a Sensitization Programme on Celebration of World Intellectual Property Day and the theme is **"IP and the SDGs: Building our common future with innovation and creativity"** at ICAR-NINFET on 25th April,2024.

World Intellectual Property Day is observed annually on April 26th. The event was established by the World Intellectual Property Organization (WIPO) in 2000 to raise awareness of how patents, copyright, trademarks and designs impact on daily life and to celebrate creativity, and the contribution made by creators and innovators to the development of economies and societies across the globe.

The program was attended by 50 participants comprising all the Scientists, Technical Officers, AO, Administrative heads, RAs, SRFs, JRFs, YPs.

The inauguration ceremony, infused with the vibrant melodies of the ICAR song, set the tone for an engaging and insightful discourse on innovation and creativity.

Dr. S. B. Roy, In-Charge, ITMU and PI-ABI started the programme by explicating the importance of IP Day celebration with the view of 17 Sustainable Developmental Goals.

Dr. D. B. Shakyawar, Director, ICAR-NINFET welcomed the august participants addressing the present scenario of IP Protection in Indian context with the view of global issues.

Advocate Anjan Sen, ICAR Empaneled Patent Attorney, was the first invited speaker of the Day. He emphasized on the fine tuning with the scientists and techno-legal intermingling about their official disclosure of the inventions. He also added that IP will be the sign of future development of any society in near future which will comply the satisfactory and needs of the people.

Dr. Sushil Kumar Mitra, Former Deputy Controller of Patent & Design, delivered lectures on the immerging importance of pro-biotic, nano-polymer, bio-detection kits which will directly useful to the society balancing people, economics, environments and sustainability of the inter disciplinary SDG.

Two informative lectures, delivered by the esteemed guests, provided a nuanced perspective on leveraging IP mechanisms to drive socio-economic progress and environmental sustainability. The sessions were characterized by active participation and

engaging discussions, showcasing the collective commitment towards harnessing IP for the greater good.

An interactive session followed the lectures, offering attendees an opportunity to exchange ideas, share experiences, and seek clarifications on IP-related issues. The session fostered a dynamic exchange of insights, nurturing collaboration and synergy among stakeholders committed to realizing the SDGs through innovative solutions. The program concluded with the final remarks conveyed by Dr. S. B. Roy, In-charge of ITMU, who eloquently summarized the key takeaways and emphasized the transformative potential of IP in shaping a more inclusive and sustainable future. A heartfelt vote of thanks was extended to all participants, guests, and organizers for their invaluable contributions towards making the event a resounding success.

(*Source: ICAR-National Institute of Natural Fibre Engineering & Technology, Kolkata*)

Dr. D.B. Shakyawar, Director greets Mr. Anjan Sen, Advocate in the inaugural session

Delivering of speech by Mr. Anjan Sen during the programme

Dr. S.N. Chattopadhyay, PS clearing his doubts

Dr. Sushil Kumar Mitra, Former Deputy Controller of Patent & Design during his speech